Naidunia (Indore), 29th December 2024, Page - 05

आइआइटी इंदौर और सीएसआइआर-एम्प्री के बीच हुआ अनुबंध

मेटल-पालिमर कंपोजिट पर मिलकर करेंगे शोध

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर और भोपाल स्थित सीएसआइआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री) ने अनुसंधान और शैक्षणिक क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से अनुबंध किया है। आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी और सींएसआइआर-एम्प्री के निदेशक डा. एके श्रीवास्तव ने समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जो पांच वर्षों तक प्रभावी रहेगा।

दोनों संस्थान मिलकर एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, ग्राफिन और 2डी मटेरियल, मेटल-पालिमर कंपोजिट और उन्नत ऊर्जा पदार्थ सहित कई क्षेत्रों में संयुक्त शोध व अनुसंधान करेंगे। कार्यक्रम के दौरान सीएसआइआर की महानिदेशक डा. नल्लथम्बी कलईसेलवी भी उपस्थित रहीं। प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि विज्ञानी, छात्र व तकनीकी सदस्य एक-दूसरे के संस्थान में जाकर अनुभव और ज्ञान साझा करेंगे। साथ ही शैक्षणिक पाठ्यक्रम, संगोष्ठियों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से जनशक्ति को तैयार किया जाएगा। सीएसआइआर-एम्प्री के विज्ञानी गाइड और को-गाइड के रूप में भी सहयोग करेंगे।

अनुबंध के दौरान उपस्थित दोनों संस्थाओं के अधिकारी। ● सौजन्य संस्था

डा. एके श्रीवास्तव ने कहा कि हमारी साझेदारी का फोकस हाइब्रिड प्रोसेसिंग, नैनोमटेरियल, सुपर प्लास्टिसिटी और धातुकर्म प्रक्रियाओं के माडलिंग और सिमुलेशन जैसे क्षेत्रों पर रहेगा। यह पहल ऊर्जा पदार्थ, धातु ग्लास और धातु-सिरेमिक कंपोजिट जैसे क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए है।